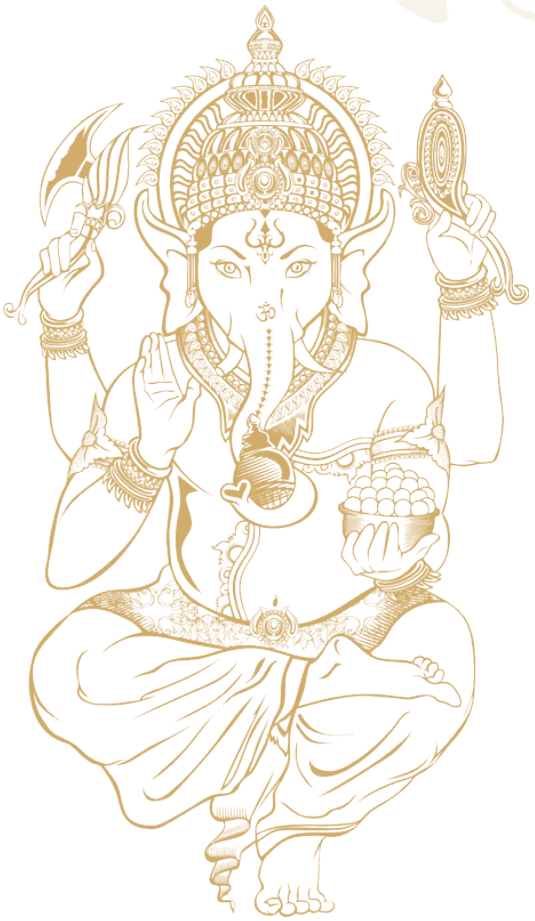

28 Jul 2003

12:25 PM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121120606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/07/2003**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:25:00 घंटे**
इष्ट	17:24:14 घटी
स्थान	**Allahabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:22:20 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	08:44:29 घंटे
सूर्योदय	05:27:18 घंटे
सूर्यास्त	18:50:36 घंटे
दिनमान	13:23:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:54:29 कर्क
लग्न के अंश	12:50:59 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	चतुष्पाद
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हर्षा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:50:59	316:48:03	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कर्क	10:54:29	00:57:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	28:54:29	12:49:56	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	16:13:24	00:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	02:34:07	01:34:09	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	29:34:45	00:12:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	उच्च राशि
शुक्र		अ	कर्क	04:59:37	01:13:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि			मिथु	13:00:58	00:07:13	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	03:18:45	00:09:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	03:18:45	00:09:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:57:55	00:02:03	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	18:04:55	00:01:37	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:35:30	00:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	14:47:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:12

लग्न-चलित

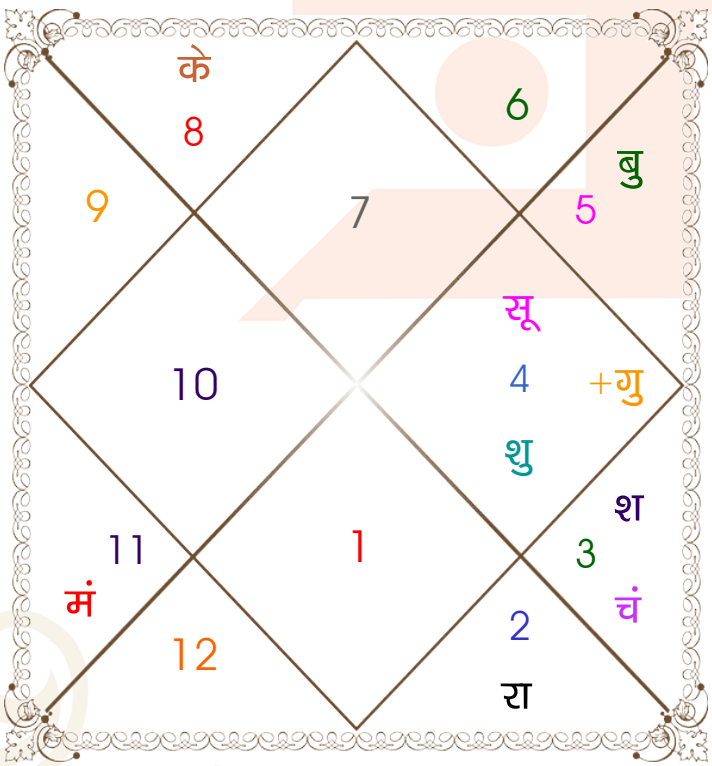

चन्द्र कुंडली

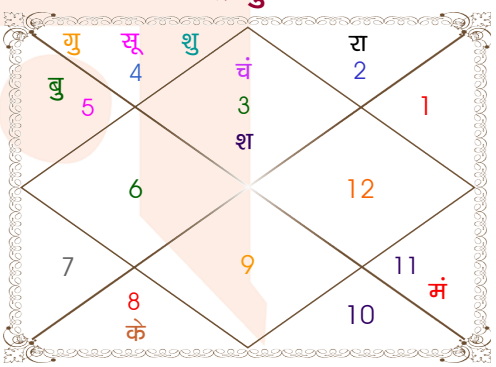

नवमांश कुंडली

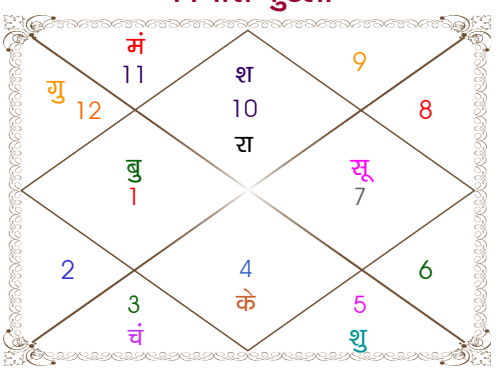

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 3 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/07/2003		18/11/2008		18/11/2027		18/11/2044		18/11/2051	
18/11/2008		18/11/2027		18/11/2044		18/11/2051		18/11/2071	
	00/00/0000	शनि	21/11/2011	बुध	16/04/2030	केतु	16/04/2045	शुक्र	20/03/2055
	00/00/0000	बुध	01/08/2014	केतु	13/04/2031	शुक्र	16/06/2046	सूर्य	19/03/2056
	00/00/0000	केतु	09/09/2015	शुक्र	11/02/2034	सूर्य	22/10/2046	चंद्र	18/11/2057
	00/00/0000	शुक्र	09/11/2018	सूर्य	19/12/2034	चंद्र	23/05/2047	मंगल	18/01/2059
	28/07/2003	सूर्य	22/10/2019	चंद्र	19/05/2036	मंगल	19/10/2047	राहु	18/01/2062
सूर्य	19/03/2004	चंद्र	22/05/2021	मंगल	16/05/2037	राहु	05/11/2048	गुरु	18/09/2064
चंद्र	19/07/2005	मंगल	01/07/2022	राहु	04/12/2039	गुरु	12/10/2049	शनि	18/11/2067
मंगल	25/06/2006	राहु	07/05/2025	गुरु	10/03/2042	शनि	21/11/2050	बुध	18/09/2070
राहु	18/11/2008	गुरु	18/11/2027	शनि	18/11/2044	बुध	18/11/2051	केतु	18/11/2071

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/11/2071		18/11/2077		18/11/2087		18/11/2094		19/11/2112	
18/11/2077		18/11/2087		18/11/2094		19/11/2112		00/00/0000	
सूर्य	07/03/2072	चंद्र	18/09/2078	मंगल	16/04/2088	राहु	31/07/2097	गुरु	07/01/2115
चंद्र	06/09/2072	मंगल	19/04/2079	राहु	04/05/2089	गुरु	25/12/2099	शनि	20/07/2117
मंगल	11/01/2073	राहु	18/10/2080	गुरु	10/04/2090	शनि	01/11/2102	बुध	26/10/2119
राहु	06/12/2073	गुरु	17/02/2082	शनि	20/05/2091	बुध	20/05/2105	केतु	01/10/2120
गुरु	24/09/2074	शनि	18/09/2083	बुध	16/05/2092	केतु	08/06/2106	शुक्र	02/06/2123
शनि	06/09/2075	बुध	17/02/2085	केतु	12/10/2092	शुक्र	07/06/2109	सूर्य	29/07/2123
बुध	13/07/2076	केतु	18/09/2085	शुक्र	12/12/2093	सूर्य	02/05/2110		00/00/0000
केतु	18/11/2076	शुक्र	20/05/2087	सूर्य	19/04/2094	चंद्र	01/11/2111		00/00/0000
शुक्र	18/11/2077	सूर्य	18/11/2087	चंद्र	18/11/2094	मंगल	19/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।